मदरसे में छापे जा रहे थे जाली नोट

श्रावस्ती में नेपाल सीमा के पास के मदरसे की पड़ताल के बाद पांच गिरफ्तार

जार्स ● श्रावस्ती : नेपाल सीमा से करीब 12 किलोमीटर पहले मल्हीपुर क्षेत्र के लक्ष्मनपुर गंगापुर गांव के मदरसे में जाली नोट छापे जाने की गोपनीय सूचना पर एसओजी व पुलिस की संयुक्त टीम ने पड़ताल शुरू की तो सात दिनों में पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया। टीम को मौके से 500, 200 और 100-100 के कुल 35,400 रुपये जाली नोट मिले। पुलिस ने नोट के साथ नोट छापने की मशीन, इंक व तमंचा बरामद किया।

एसपी घनश्याम चौरसिया ने बताया कि एएसपी प्रवीण कुमार यादव व सीओ भिनगा संतोष कुमार की निगरानी में एसओजी प्रभारी नितिन यादव व हरदत्तनगर गिरंट थानाध्यक्ष शैलकांत उपाध्याय टीम के साथ मंगलवार रात जांच के दौरान भेसरी पुल से अहराइच के रामगांव क्षेत्र के बेगमपुर के रामसेवक, विशेश्वरगंज क्षेत्र के सर्वदी के धर्मराज शुक्ला, सोनवा क्षेत्र के कर्कंधू गांव के अवधेश कुमार पांडेय से पूछताछ की। तलाशी में इनके पास से नकली नोट व कारतूस के साथ तमंचा बरामद मिला तो टीम हरदत्तनगर गिरंट क्षेत्र के लक्ष्मनपुर के गंगापुर गांव के मदरसे में पहुंची। यहां जाली नोट छापने के गैंग के मुखिया अहराइच के पयागपुर क्षेत्र के जलील अहमद व मल्हीपुर क्षेत्र के लक्ष्मनपुर गंगापुर के मुबारक अली उर्फ नूरी को गिरफ्तार किया। नूरी मदरसे के प्रबंधक का काम भी देखता था। कमरे में जाली नोट छापने के प्रिंटर, दो लैपटाप, चार बोतल इंक, कैंची, पटरी, एक कागज पर तीन असली नोट चिपके फर्मा, बाइक व मोबाइल फोन बरामद किया। आरोपितों में जलील अहमद, रामसेवक, अवधेश पांडेय व मुबारक अली उर्फ नूरी के खिलाफ अहराइच व श्रावस्ती में पहले ही कई मुकदमे हैं। एसपी ने बताया कि पूछताछ में आरोपितों ने स्वीकार किया है कि लगभग एक वर्ष से जाली नोट छाप रहे थे, लेकिन जांच से लगा कि चार-पांच वर्ष से कारोबार चल रहा था।

पुलिस कार्यालय में जाली नोट छापने के बरामद उपकरण व हिरासत में आरोपितों के बारे में बताते एसपी घनश्याम चौरसिया। आगे बाएं से दूसरे। ● जागरण

यूट्यूब से से सीखा जाली नोट बनाने का तरीका

पुलिस के पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि यूट्यूब पर वीडियो देखकर जाली नोट छापने का तरीका सीखा। असली नोट को मशीन से प्रिंट करते हैं। स्कैनर से असली नोट की तहरीर नई नोट को तैयार करते हैं। इसके बाद प्रिंटर की मदद से इसे छापते हैं।

सरगना के पांच बीवियां, एक मदरसे में शिक्षिका

भूपेंद्र पांडेय ● जागरण

श्रावस्ती : मदरसे की आड़ में जाली नोट का कारखाना चला रहे गैंग के सरगना मुबारक अली उर्फ नूरी के पांच बीवियां हैं। इनमें से एक बीवी मदरसे की शिक्षिका भी है। पुलिस से बचने के लिए नूरी लक्ष्मनपुर गंगापुर के मदरसे से लेकर अहराइच की मस्जिद तक दौड़ लगाता रहा। नूरी के साथ ही जलील अहमद भी गैंग का सरगना है।

मुबारक अली उर्फ नूरी अपराधी प्रवृत्ति का होने के बावजूद मदरसे का प्रबंधक बना था। नूरी पर चार मुकदमे दर्ज हैं। एसपी घनश्याम चौरसिया ने बताया कि जाली नोट छापने की गोपनीय सूचना पर पुलिस सक्रिय हुई तो नूरी ने अपना ठिकाना बदलना शुरू कर दिया। लक्ष्मनपुर गंगापुर के फैजुर नबी मदरसे से अहराइच में जामिया नूरिया मस्जिद तक वह दौड़ लगाता रहा। मस्जिद में उसकी पांच बीवियां और बच्चे रहते हैं।

लक्ष्मनपुर गंगापुर स्थित मदरसे में छापेमारी के दौरान जाली नोट छापने के उपकरण बरामद करती पुलिस टीम ● जागरण